

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा  
अप्रैल, 2018  
अंक योजना-हिंदी 'ऐच्छिक'  
कक्षा - XII

कूटबंध 29 / 1  
29 / 2  
29 / 3  
(दिल्ली, हरियाणा)

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
1.	1. क	2. क	1. क	<ul style="list-style-type: none"> <li>गोली से हुए जख्म समय के साथ भर जाते हैं जबकि बोली का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक</li> </ul>	2
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>शब्दों का सटीक चयन और प्रयोग व्यक्ति तथा प्रसंगानुकूल होना</li> <li>भाषा का यह औचित्य ही शब्द सौंदर्य का मुख्य हिस्सा है</li> </ul>	1+1=2
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>अधिक आवेग, उत्साह या अज्ञानता के कारण सही अर्थों में प्रयोग नहीं करना; अर्थ समझ कर ही प्रसंगानुसार शब्दों का प्रयोग करना</li> </ul>	2
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>अधिक उत्साह तथा अज्ञान के कारण शब्दों के अनुपयुक्त प्रयोग करने पर</li> </ul>	2
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>शब्दों में अपेक्षित अर्थ प्रेषित करने की क्षमता</li> <li>शब्द प्रयोग से वक्ता के व्यक्तित्व की झलक</li> </ul>	2
	च	च	च	<ul style="list-style-type: none"> <li>अपनी बात को स्पष्ट शब्दों में कह पाना, वांछित अर्थ का संप्रेषण कर पाना भी तपस्या के समान</li> </ul>	1+1=2



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
2	छ	छ	छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>तपस्या तथा शब्द प्रयोग दोनों ही में सावधानी और एकाग्रता का होना अनिवार्य</li> <li>वक्ता को बोलने से पूर्व शब्दों का अर्थ, प्रभाव, सुंदरता एवं औचित्य समझना</li> <li>'पहले तोलो फिर बोलो' वाली उक्ति की चरितार्थता</li> </ul>	2
	ज	ज	ज	<ul style="list-style-type: none"> <li>उचित शीर्षक स्वीकार्य</li> </ul>	1
	2 क	1 क	2 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्वर्ग के समान सुखदात्री</li> <li>सभी संपत्तियों की भंडार</li> <li>धरती पर सर्वश्रेष्ठ</li> </ul> <p>(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)</p>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्राकृतिक संपदा से संपन्न</li> <li>भूमंडल की सर्वश्रेष्ठ मातृभूमि</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>त्याग और बलिदान</li> </ul>	1
	घ	घ	घ	<ul style="list-style-type: none"> <li>गौरवान्वित रहना</li> <li>स्वाभिमान तथा आत्मबल से जीना</li> </ul>	1
	ङ	ङ	ङ	<ul style="list-style-type: none"> <li>मातृभूमि हेतु प्रेम एवं त्याग की भावना</li> <li>देश के प्रति समर्पण और आत्मगौरव की भावना</li> </ul>	1



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
3	3	4.	5	<p style="text-align: center;"><u>खंड 'ख'</u></p> <p>किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भूमिका एवं उपसंहार 1+1</li> <li>● विषय-वस्तु 6</li> <li>● भाषा 2</li> </ul>	10
4	4	3	6	<p>पत्र लेखन</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1</li> <li>● विषयवस्तु 3</li> <li>● भाषा 1</li> </ul>	5
5	5.	6	3	<ul style="list-style-type: none"> <li>● 'समाचार' किसी ताजा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट 1</li> <li>● सामग्री का चयन और उसकी अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाना 1</li> </ul>	1
	क	क	क	<ul style="list-style-type: none"> <li>● छपे हुए शब्दों में स्थायित्व</li> <li>● लिखित भाषा का विस्तार</li> <li>● जब और जैसे चाहें-पढ़ें</li> <li>● विचार और विश्लेषण का माध्यम (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)</li> </ul>	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
	ख	ख.	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● व्यावसायिक लाभ के उद्देश्य से सनसनीखेज और भ्रामक खबरों को प्रकाशित करना 1</li> </ul>	1
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● किसी घटना, समस्या या मुद्दे की गहन छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर लिखी जाने वाली रिपोर्ट 1</li> </ul>	1
	घ	घ	घ		
	ड	ड.	ड.		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
6	6	5	4	<u>आलेख लेखन</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>● प्रस्तुति 2</li> <li>● विषयवस्तु 2</li> <li>● भाषा 1</li> </ul>	5
7	7	7	9	<p style="text-align: center;"><b>खंड 'ग'</b></p> <u>काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>● कवि का नाम <math>\frac{1}{2}</math></li> <li>● कविता का नाम <math>\frac{1}{2}</math></li> <li>● प्रसंग 1</li> <li>● व्याख्या 5</li> <li>● विशेष 1</li> </ul> <p>राघौ ! एक बार.....हिम मारे</p> <p>कवि : तुलसीदास कविता : 'पद' (गीतावली) प्रसंग पुत्र वियोग से संतप्त कौशल्या राम को उनके प्रिय घोड़ों की दशा बताकर वापस बुलाना चाहती है</p> <p><u>व्याख्या बिंदु:</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● हे राघव ! तुम एक बार इन घोड़ों की खातिर अवश्य लौट आओ। जिन्हें अपने हाथों से जल पिलाया, दुलारा, पुचकारा, वे बेचैन हैं</li> <li>● भरत द्वारा सौ गुनी अधिक देखभाल पर भी वे घोड़े दुर्बल होते जा रहे हैं</li> <li>● कौशल्या के वात्सल्य एवं वेदना का चित्रण</li> <li>● पथिक से संदेश देने का अनुरोध</li> <li>● राम के वियोग में अयोध्या के नर-नारी ही नहीं पशु-पक्षी भी व्यथित</li> </ul>	8



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
8	8 क	9 क	8 क	<p><b>विशेष—</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ब्रज भाषा</li> <li>● करुण रस, वात्सल्य रस का अद्वितीय उदाहरण</li> <li>● अनुप्रास, रूपक, पुनरुक्ति प्रकाश अलंकारों का सहज प्रयोग</li> </ul> <p><b>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भारत की गौरवगाथा एवं प्राकृतिक सौंदर्य को राष्ट्र की विशिष्टता तथा पहचान के रूप में दर्शाना</li> <li>● यह देश राग एवं प्रेम की भूमि</li> <li>● आश्रय लेने हेतु दूर देशों से पक्षियों तथा अपरिचित लोगों का आना</li> <li>● लोगों की आँखों में करुणा तथा स्नेह का भाव</li> <li>● दिन छोटे और रातों का लंबा होना</li> <li>● शीतल हवाओं की प्रधानता</li> <li>● नायिका के विरह को उद्दीप्त करना</li> </ul> <p><b>व्यथा</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● नागमती को पति से वियोग की पीड़ा</li> <li>● ठंडी रातों में भी तप्त हृदय</li> <li>● शीत ऋतु में प्रियतम के विरह के कारण वस्त्र तथा शृंगार के सुख की व्यर्थता का बोध</li> </ul>	<p>1+1+1=3</p> <p>1½+1½=3</p> <p>3</p>
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अपनी पुत्री सरोज की मृत्यु के उपरांत उसकी आत्मा की शांति तथा श्रद्धांजलि देने के लिए अपने कर्मों से तर्पण</li> <li>● कवि अपने समस्त कर्मों के फल को श्रेष्ठ मानकर अपनी पुत्री की मुक्ति के लिए अर्पित करता है</li> </ul>	
	ग	ग	ग		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
9	9	8	7	<p>किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित</p> <p>भाव पक्ष – 1</p> <p>कला पक्ष— 2</p> <p>श्री रघुनाथ.....जराई—जरी</p> <p><b>भाव पक्ष</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● राम के भेजे हुए वानर की पूँछ को तेल और रुई भी न जला सके</li> <li>● किंतु उसी वानर ने बिना प्रयास के तुम्हारी लंका जला दी</li> <li>● प्रतापी दशकंठ भी राम के प्रताप को नहीं समझ सका</li> </ul> <p><b>कला पक्ष</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ब्रज भाषा</li> <li>● अनुप्रास, यमक, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति— प्रकाश अलंकार</li> <li>● वीर रस की प्रधानता</li> <li>● व्यंग्यात्मकता</li> <li>● भाषा सरस, तुकांत प्रयोग</li> <li>● 'दशकंठ' शब्द का साभिप्राय प्रयोग तथा इसमें पराक्रम की ध्वनि व्यंजित</li> </ul> <p>(किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p> <p>कोई छह-----चली गई</p> <p><b>भाव पक्ष</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● वसंत के आगमन का अनुभव अचानक होना</li> <li>● सुबह छह बजे हल्की—सी गरम हवा का आना</li> <li>● फिरकी की तरह घूम कर (छूकर) चले जाना</li> </ul>	3
	ख	ख	ख		3



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				<u>कला पक्ष—</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>मानवीकरण, उपमा, अनुप्रास अलंकार</li> <li>बोलचाल की खड़ी बोली</li> <li>ध्वन्यात्मक एवम् चित्रात्मक भाषा</li> </ul>	
	ग	ग	ग	एक बूँद—आग से <u>भाव पक्ष —</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>समुद्र और बूँद का पारस्परिक घनिष्ठ एवम् प्राकृतिक संबंध</li> <li>जीवन में एक क्षण ऐसा आता है जब व्यक्ति समाज से अलग अपनी पहचान बना सकता है।</li> <li>बूँद की क्षणभंगुरता के माध्यम से जीवन की नश्वरता का बोध</li> </ul> <u>कला पक्ष—</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>खड़ी बोली हिंदी</li> <li>सरल और प्रवाहमय भाषा</li> <li>प्रतीकात्मक शब्द प्रयोग</li> <li>बूँद और सागर —आत्मा— परमात्मा / व्यक्ति—समाज</li> </ul>	3
10	10	12	12	<u>गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या</u> <ul style="list-style-type: none"> <li>लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख — 1/2+1/2</li> <li>प्रसंग — 1</li> <li>व्याख्या बिंदु — 3</li> <li>विशेष — 1</li> </ul> साहित्य.....बुलावा देता है पाठ—यथार्थमै रोचते विश्वम्, लेखक—रामविलास शर्मा प्रसंग—साहित्य द्वारा जीवन—संग्राम में लड़ने की प्रेरणा देना	6



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
11	11 क	10 क	10 क	<p><u>व्याख्या बिंदु-</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>जीवन भी एक युद्धक्षेत्र</li> <li>कृष्ण के पांचजन्य शंखनाद की भाँति साहित्य द्वारा कर्मयुद्ध की प्रेरणा</li> <li>साहित्य द्वारा उदासीन, संकीर्ण एवम् भाग्यवादी विचारधारा से मनुष्य को दूर रहने की प्रेरणा</li> <li>कायरता और कर्महीनता को प्रोत्साहित करने वालों का विरोध</li> </ul> <p><u>विशेष -</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>खड़ी बोली गद्य</li> <li>मुहावरेदार भाषा</li> <li>तत्सम शब्दावली</li> <li>विचारात्मक शैली</li> <li>पांचजन्य-श्रीकृष्ण के शंख का नाम महाभारत के युद्ध का आरंभ इसी शंखनाद से</li> </ul>	4
				<p><u>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>जंगलों की कटाई से प्राकृतिक संपदा का नाश</li> <li>पर्यावरण और प्रकृति के तत्वों में असंतुलन</li> <li>लाखों किसानों-आदिवासियों का विस्थापन</li> <li>प्राकृतिक परिवेश से बिछुड़ कर झोपड़-पट्टियों में जीवन निर्वाह की मजबूरी</li> <li>स्थानीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं और रीति-रिवाजों की प्रायः समाप्ति</li> <li>प्रकृति मनुष्य और संस्कृति के बीच आपसी संबंधों का छिन्न-भिन्न होना</li> </ul> <p>गंगापुत्रों का जीवन गंगा पर आधारित अर्थतंत्र और धार्मिक पर्यटन से जुड़ा है जैसे-</p>	





प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				<ul style="list-style-type: none"> <li>● सुबह तथा शाम की आरती के समय गंगापुत्रों का गंगा के बीच खड़े हो जाना</li> <li>● उनके द्वारा आरती की फूलों वाली कशितियों में रखे चढ़ावे के पैसे छाँट कर उठा लेना</li> <li>● वहीं खुले पैसे अपनी पत्नियों व बहनों को देना और उन महिलाओं द्वारा कुशाघाट पर यात्रियों को एक रुपए के अस्सी पैसे देकर विनिमय</li> <li>● गोताखोर के रूप में फेंके गए पैसे निकालना एवं डूब रहे लोगों की रक्षा करना</li> <li>● यही उनके जीवन निर्वाह का साधन है। अतः गंगा मैया ही उनका जीवन और जीविका है</li> </ul> <p>(किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</p>	
	ग	ग	ग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बड़ी हवेली पहुँचते ही हरगोबिन के मन में पहले के सुखद तथा अमीर दिनों की स्मृति</li> <li>● वर्तमान गरीबी, अभावों के दर्द का उभरना—दोनों स्थितियाँ मन में एक साथ</li> <li>● दिन—रात नौकर—नौकरानियों और जन—मजदूरों की भीड़</li> <li>● नाइन का हवेली में आकर बड़ी बहरिया को मेंहदी लगाना</li> <li>● कर्ज लेने वालों की पंक्ति का लगे रहना</li> <li>● आज बड़ी हवेली की बड़ी बहरिया का अपने हाथ से सूप में अनाज फटकना</li> <li>● कर्ज वापिस मांगने वालों को झगड़ते और अपशब्द कहते देखने के कारण</li> </ul> <p style="text-align: center;"><u>जीवन परिचय</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● संक्षिप्त जीवन परिचय — 2</li> <li>● रचनाएँ (कोई दो) — 1</li> </ul>	4
12	12	11	11		



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				<ul style="list-style-type: none"> <li>काव्यगत विशेषताएँ / भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण – 3</li> </ul> <p><b>रामचंद्र शुक्ल</b></p> <p><b>संक्षिप्त जीवन परिचय –</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गांव में जन्म</li> <li>उर्दू-फारसी और अंग्रेजी में आरंभिक शिक्षा</li> <li>इंटरमीडियट तक विधिवत शिक्षा</li> <li>हिंदी के प्राचीन एवं नवीन साहित्य का अध्ययन</li> <li>चित्रकला के अध्यापक, हिंदी शब्द सागर के संपादक तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे</li> </ul> <p><b>रचनाएँ :-</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>हिन्दी साहित्य का इतिहास</li> <li>हिंदी शब्द सागर</li> <li>चिंतामणि</li> <li>नागरी प्रचारिणी पत्रिका</li> <li>गोस्वामी तुलसीदास</li> <li>सूरदास</li> </ul> <p><b>साहित्यिक विशेषताएँ :-</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>उच्चकोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य चिंतक</li> <li>गद्य-शैली विवेचनात्मक</li> <li>विचारशीलता, सूक्ष्म तर्क-योजना</li> <li>व्यंग्य और विनोद का प्रयोग</li> <li>भाषा सूत्रात्मक एवं तत्सम, उर्दू शब्दों का प्रयोग</li> </ul>	6



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				<p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p><b>भीष्म साहनी</b></p> <p><b>संक्षिप्त जीवन परिचय –</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● रावलपिंडी (पाकिस्तान) में जन्म</li> <li>● उर्दू और अंग्रेजी का स्कूल में अध्ययन</li> <li>● गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए.</li> <li>● पंजाब विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि</li> <li>● आजीविका के लिए व्यापार, पत्रकारिता तथा अध्यापन से जुड़े</li> <li>● स्थायी तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में अध्यापन कार्य</li> </ul> <p><b>रचनाएँ:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भाग्य रेखा, शोभायात्रा, निशाचर आदि (कहानी संग्रह)</li> <li>● झरोखे, कड़ियाँ, तमस, बसंती आदि (उपन्यास)</li> <li>● माधवी, हानूश आदि (नाटक)</li> <li>(कोई दो रचनाएँ)</li> </ul> <p><b>साहित्यिक विशेषताएँ</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भाषा में उर्दू शब्दों के प्रयोग से रवानगी</li> <li>● भाषा शैली में पंजाबी भाषा की महक</li> <li>● छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग</li> <li>● प्रभावी एवं रोचक विषयों का चुनाव</li> <li>● संवादों की ताजगी</li> </ul>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	<p><b>घनानंद</b></p> <p><u>संक्षिप्त जीवन परिचय—</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जन्म स्थान और माता-पिता के नाम अज्ञात हैं</li> <li>● आरंभिक जीवन दिल्ली तथा वृंदावन में बीता</li> <li>● दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के दरबार में मीर मुंशी थे</li> <li>● दरबार की 'सुजान' नामक नर्तकी पर आसक्त थे</li> <li>● सुजान से प्रेम करने के कारण घनानंद दरबार में बे-अदबी कर बैठे, जिससे उन्हें देश निकाला दे दिया गया</li> <li>● सुजान की बेवफ़ाई से निराश और दुखी होकर निंबार्क संप्रदाय में दीक्षित होकर जीवन निर्वाह</li> </ul> <p><u>रचनाएँ</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● सुजान सागर, विरह लीला, सुजान हित, कृपाकंड निबंध, रसकेलि वल्ली आदि (दो रचनाओं के नाम अपेक्षित)</li> </ul> <p><u>काव्यगत विशेषताएँ</u></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● परिष्कृत और साहित्यिक ब्रजभाषा</li> <li>● भाषा में व्यंजना, मधुरता तथा कोमलता</li> <li>● सर्जनात्मक काव्य भाषा</li> <li>● प्रेम की उदात्तता</li> </ul> <p>अथवा</p>	



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
13	अथवा 13	अथवा 14	अथवा 13	<p><b>विष्णु खरे</b></p> <p><b>संक्षिप्त जीवन परिचय</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● जन्म छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश में हुआ</li> <li>● क्रिश्चियन कॉलेज, इंदौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए.</li> <li>● इंदौर समाचार में उप-संपादक</li> <li>● नवभारत टाइम्स में प्रभारी कार्यकारी संपादक</li> </ul> <p><b>रचनाएं</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● टी.एस. इलियट का अनुवाद- मरुप्रदेश और अन्य कविताएँ</li> <li>● एक गैर रुमानी समय में</li> <li>● खुद अपनी आँख से</li> <li>● सबकी आवाज के परदे में</li> <li>● आलोचना की पहली किताब</li> <li>● पिछला बाकी (कोई दो अपेक्षित)</li> </ul> <p><b>काव्यगत विशेषताएँ :-</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भाषा में तत्सम, तद्भव और देशज शब्दों का प्रयोग</li> <li>● सहज, सरल भाषा</li> <li>● मुहावरों के प्रयोग से सटीकता</li> <li>● पौराणिक आख्यानों पर लेखन</li> </ul> <p><b>अपेक्षित जीवन-मूल्य</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● निर्माण में विश्वास</li> <li>● संघर्ष की भावना</li> <li>● साहस</li> </ul>	5



प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
14	14 क	13 क	14 क	<ul style="list-style-type: none"> <li>• धैर्य</li> <li>• सहयोग</li> <li>• कर्मनिष्ठता</li> <li>• प्रेम आदि</li> </ul> <p>जीवन मूल्यों का उल्लेख करते हुए आज के संदर्भ में उनकी उपयोगिता बताने वाले उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य</p>	5
	ख	ख	ख	<ul style="list-style-type: none"> <li>• बत्तख अपने अंडे को डैने में छिपाए रखती है</li> <li>• माँ अपने बच्चों की देखभाल करती है</li> <li>• दोनों ही अपने बच्चों के लिए सतर्क रहती हैं</li> <li>• बच्चे को संकट से बचाने का प्रयास</li> <li>• दोनों ही ममतामयी—माँ द्वारा बच्चे को दूध पिलाना, उसका लालन—पालन करना और बत्तख द्वारा अपने अंडों को सेना एवं रक्षा करना</li> </ul> <p>(अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और उनका संतुलन बिगाड़ना</li> <li>• उपभोग पर बल, संरक्षण के प्रति उदासीनता</li> <li>• जल प्रबंधन और संरक्षण की परंपरागत तकनीकों की उपेक्षा कर नई तकनीकों को अपनाया गया</li> <li>• कुएँ, तालाब, बावड़ी आदि का लुप्त हो जाना</li> <li>• हरियाली का खत्म होना आदि</li> </ul> <p>(अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)</p>	5

